National Journal of
Hindi & Sanskrit Research

ISSN: 2454-9177
NJHSR 2026; 1(66): 101-105
© 2026 NJHSR
www.sanskritarticle.com

श्रीमती अनीता
सहायक आचार्य , शिक्षाशास्त्र विभाग,
श्री.ला.ब.शा.रा.सं.विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली

Correspondence:
श्रीमती अनीता
सहायक आचार्य , शिक्षाशास्त्र विभाग,
श्री.ला.ब.शा.रा.सं.विश्वविद्यालय,
नई दिल्ली

हिन्दी भाषा शिक्षण के कौशलों में A.I. की भूमिका

श्रीमती अनीता

सारांश :-
मानव सभी प्राणियों मे विवेकशील प्राणी हैं। इसका परिचय उसने अपनी बुद्धिमत्ता से दिया हैं। मानव ने विविध क्षेत्रों मे नए प्रतिमान स्थापित किए हैं। मानव ने अनेक क्षेत्रों मे अपने ज्ञान का लोहा मनवाने का कार्य किया हैं । इस दिशा मे मानव ने कठिन परिश्रम करके बहुत सारी विज्ञान से संबंधित खोज की हैं। जिसमे से एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (A.I.) हैं। एक समय विज्ञान कथाओं तक ही सीमित रही कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) अब एक वास्तविक और उभरती हुई तकनीक है, जिसके अनगिनत अनुप्रयोग और लाभ हैं। कुछ ही सेकंडों में भारी मात्रा में सामग्री तैयार करने से लेकर प्रश्नों के उत्तर देने, डेटा का विश्लेषण करने, कार्यों को स्वचालित करने मे इसकी भूमिका है। अपनी बहुमुखी प्रतिभा के कारण, एआई तकनीक तेजी से कई व्यवसायों और उद्योगों का हिस्सा बन रही है और हमारी दुनिया को आकार देने वाली प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक भविष्यवादी अवधारणा से तेजी से हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन गई है, और शिक्षा भी इसका अपवाद नहीं है। 2026 में, एआई प्रौद्योगिकियां शैक्षणिक परिदृश्य में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं, जिससे व्यक्तिगत शिक्षण, प्रशासनिक दक्षता और बेहतर शैक्षिक परिणामों के अभूतपूर्व अवसर मिल रहे हैं। बुद्धिमान ट्यूटरिंग सिस्टम से लेकर एआई-संचालित कक्षा प्रबंधन तक, एआई का प्रभाव गहरा और व्यापक है। लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता वास्तव में क्या है? यह कैसे काम करती है और एआई प्रणालियों के प्लेटफार्म, तथा और नुकसान क्या हैं तथा विद्यार्थियों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित एप्स जो की शिक्षण कौशलों के लिए ओर शिक्षा के लिए प्रयोग की जाती हैं। विद्यालयों और अध्यापकों के लिए ऐसे प्लेटफॉर्म देखें जा सकते हैं जो कक्षाकक्ष मैनेजमेंट और लेसन प्लानिंग के साथ इंटीग्रेट होते हैं (जैसे, CHAT BOT, NEARPOD,NLP,अनुवाद उपकरण ,वर्चुअल टयूटेर)। आदि के माध्यम से भाषा अधिगम प्रभावी बन रहा हैं। आइये विस्तार से कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित शिक्षण कौशलों एवं शैक्षिक एप्स के बारे में जानने का प्रयास करते हैं ।

कुंजीभूत शब्द :- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भाषा शिक्षण कौशल ,डिजिटल लर्निंग ,मूल्यांकन प्रणाली।

प्रस्तावना :- शिक्षा मानव विकास का आधार है और भाषा शिक्षा उसका केंद्र बिन्दु हैं। भाषा के माध्यम से ही ज्ञान का आदान प्रदान संभव हैं । भाषा शिक्षण कौशल से आशय उन क्षमताओं और प्रक्रियाओं से है जिनके माध्यम से शिक्षक विद्यार्थियों को किसी भाषा को समझने, बोलने, पढ़ने और लिखने की योग्यता विकसित करने में सहायता करता है। दूसरे शब्दों में, भाषा को प्रभावी ढंग से सिखाने और सीखने के लिए जिन विधियों, तकनीकों और अभ्यासों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें भाषा शिक्षण कौशल कहा जाता है। भाषा शिक्षण का मुख्य उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी भाषा का प्रयोग सही, स्पष्ट और प्रभावी ढंग से कर सकें।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence - AI):-

वह तकनीक है जिसके माध्यम से कंप्यूटर या मशीनों को इस प्रकार बनाया या प्रोग्राम किया जाता है कि वे मानव की तरह सोच सकें, सीख सकें, निर्णय ले सकें और समस्याओं का समाधान कर सकें।

सरल शब्दों में, जब मशीनें मनुष्य की बुद्धि की तरह कार्य करने लगती हैं- जैसे समझना, तर्क करना, सीखना और निर्णय लेना, तो उसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता कहा जाता है।

इस शब्द का प्रयोग सबसे पहले 1956 में कंप्यूटर वैज्ञानिक John McCarthy ने किया था। उन्हें कृत्रिम बुद्धिमत्ता का जनक (Father of AI) भी कहा जाता है। इस प्रकार कह सकते हैं की भाषा कौशलों मे एआइ का प्रयोग हम विभिन माध्यमों से कर सकते हैं ।जैसे :- Chat GPT, Google Translate , Duolingo आदि । अब हम इसके बारे मे विस्तार से अध्ययन करते हैं ।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अवधारणा:-

कृत्रिम बुद्धिमत्ता वह तकनीक है जिसके माध्यम से कंप्यूटर और मशीनों को मानव जैसी बौद्धिक क्षमता प्रदान की जाती है ताकि वे विभिन्न कार्यों को स्वचालित रूप से कर सकें।

AI मुख्य रूप से निम्नलिखित तकनीकों पर आधारित है-

1. मशीन लर्निंग (Machine Learning),
2. डीप लर्निंग (Deep Learning)
3. प्राकृतिक भाषा संसाधन (Natural Language Processing - NLP)
4. स्पीच रिकग्निशन (Speech Recognition)
5. रोबोटिक्स

भाषा शिक्षण के क्षेत्र में विशेष रूप से प्राकृतिक भाषा संसाधन (NLP) का महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि यह तकनीक मशीनों को मानव भाषा को समझने और उत्पन्न करने की क्षमता प्रदान करती है।

हिन्दी भाषा कौशल का अर्थ :- हिंदी भाषा में 'भाषा कौशल' (Language Skills) का अर्थ है- भाषा को सही तरीके से समझने और उसका प्रभावशाली प्रयोग करने की क्षमता। जब हम किसी भाषा को केवल जानते नहीं, बल्कि उसे व्यवहार में कुशलतापूर्वक उतार लेते हैं, तो उसे 'कौशल' कहा जाता है।

भाषा शिक्षण के मुख्य रूप से चार कौशल माने जाते हैं, जिन्हें एक स्वाभाविक क्रम में सीखा जाता है:-'भाषा' भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम है और 'कौशल' का अर्थ है किसी कार्य को कुशलतापूर्वक करना। अतः, किसी व्यक्ति द्वारा भाषा के शुद्ध उच्चारण, भावपूर्ण वाचन, सटीक लेखन और सक्रिय श्रवण की योग्यता ही भाषा कौशल कहलाती है।

चार मुख्य भाषा कौशल मनोवैज्ञानिक और शिक्षणशास्त्र के अनुसार, इन कौशलों का क्रम L-S-R-W (Listen, Speak, Read, Write) होता हैं ।

हिंदी भाषा शिक्षण के चारों कौशल:-भाषा शिक्षण मुख्य रूप से चार कौशलों पर आधारित होता है

1. श्रवण कौशल (Listening Skill)
2. वाचिक या बोलने का कौशल (Speaking Skill)
3. वाचन कौशल (Reading Skill)
4. लेखन कौशल (Writing Skill)

इन चारों कौशलों के संतुलित विकास से ही भाषा का प्रभावी अधिगम संभव होता हैं । भाषा व्यक्ति को समाज से जोड़ने की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। किसी बालक को भाषा सीखाना अध्यापक के लिए अथक प्रयास का प्रतिफल होता हैं । एआइ के प्रयोग से सीखने की प्रकिया सुचारु रूप से चलती हैं और भाषा अधिग्रहण मे सुधार होता हैं ।

कौशलों का वर्गीकरण:-

इन चार कौशलों को दो मुख्य भागों में बांटा गया है:

ग्रहणात्मक कौशल (Receptive Skills): श्रवण और पठन। इनके माध्यम से हम दूसरों के विचारों को ग्रहण करते हैं।

अभिव्यक्तात्मक कौशल (Productive Skills): वाचन और लेखन। इनके माध्यम से हम अपने विचार दूसरों तक पहुँचाते हैं।

हिंदी शिक्षण के चारों भाषा कौशलों में AI का प्रयोग:-

1. श्रवण कौशल में AI का प्रयोग:-

श्रवण कौशल भाषा सीखने का पहला और अत्यंत महत्वपूर्ण चरण है। इसमें विद्यार्थी सुनकर भाषा को समझते हैं।AI आधारित तकनीकें विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की ऑडियो और वीडियो सामग्री प्रदान करती हैं जिससे उनकी सुनने की क्षमता विकसित होती है।

प्रमुख प्रयोग:-

(1) ऑडियो-वीडियो शिक्षण सामग्री :- AI आधारित प्लेटफॉर्म हिंदी कहानियाँ, संवाद, भाषण और समाचार सुनने की सुविधा प्रदान करते हैं। TLM(शिक्षण सहायक सामग्री) निर्माण की सहायता से आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया जा सकता हैं ।

(2)स्पीच रेकॉगनिसिन तकनीक :- यह तकनीक विद्यार्थियों के उच्चारण का विश्लेषण करती हैं । और उन्हे सही सीखने में सहायता प्रदान करती हैं । TEXT -TO SPEECH (TTS) द्वारा शुद्ध उच्चारण और आरोह अवरोह के साथ पढ़ सकते हैं ।

(3) इंटरैक्टिव लर्निंग ऐप्स :- Duolingo APP के माध्यम से हम दो भाषाओं का ज्ञान प्रपात कर सकते हैं । इस के द्वारा विद्यार्थियों को सुनने और समझने का अभ्यास कराते हैं।

(4) पॉडकास्ट और औडियो बुक्स :- ए आइ आधारित एपस कठिन शब्दों का अर्थ साथ साथ समझाते हुए सुनने की क्षमता को बढ़ाते हैं ।

लाभ:-
सही उच्चारण की समझ
भाषा की ध्वनियों की पहचान
श्रवण क्षमता में सुधार

(2) मौखिक कौशल में AI का प्रयोग :- मौखिक कौशल में विद्यार्थी अपने विचारों और भावनाओं को बोलकर व्यक्त करते हैं।मुख के अवयवो के द्वारा भावों तथा विचारों की अभिव्ययक्ति वाचन कौशल कहलाती हैं। AI आधारित तकनीकें विद्यार्थियों को संवाद अभ्यास और उच्चारण सुधार में सहायता प्रदान करती हैं।

(1) AI चैटबॉट , ChatGPT :- इस प्रकार के चैटबॉट विद्यार्थियों के साथ बातचीत करके भाषा अभ्यास करवाते हैं। ये विद्यार्थी के साथ हिन्दी भाषा में भी बात कर सकते हैं । इसमे बिना किसी के झिझक के बोलने का अभ्यास होता हैं ।

(2) वर्चुअल शिक्षक (Virtual Tutors) :- AI आधारित वर्चुअल शिक्षक विद्यार्थियों को संवाद का अभ्यास कराते हैं। इससे बच्चों को बोलने का अभ्यास होता हैं ।

(3) उच्चारण विश्लेषण प्रणाली :- AI तकनीक गलत उच्चारण की पहचान कर उसे सुधारने के सुझाव देती है।जैसे :- Alexa,Siri (Voice Assistant) में भाषण की पहचान । औटोमेटेड भाषा अनुवाद आदि।

(4) मौखिक परीक्षा : -AI आधारित टूल्स विद्यार्थी की प्रवाह और शब्दावली का विश्लेषण कर उसकी रिपोर्ट तैयार कर सकते हैं ।

लाभ:- आत्मविश्वास में वृद्धि
संवाद कौशल का विकास
शुद्ध उच्चारण सीखने में सहायता

(3) वाचन कौशल में AI का प्रयोग :- वाचन कौशल का अर्थ है लिखित सामग्री को पढ़कर उसका अर्थ समझना। बच्चा अनुकरण वाचन के द्वारा पढ़ना सीखता हैं । AI आधारित उपकरण विद्यार्थियों को पढ़ने में सहायता प्रदान करते हैं तथा कठिन शब्दों और वाक्यों को समझने में मदद करते हैं।प्रमुख प्रयोग इस प्रकार हैं ।

(1) स्मार्ट ई-बुक्स :- AI आधारित ई-बुक्स कठिन शब्दों का अर्थ तुरंत प्रदान करती हैं।पढ़ते समय किसी भी कठिन शब्दों पर क्लिक करते ही एआइ उसका अर्थ, पर्यायवाची और वाक्य प्रयोग बात देता हैं ।

(2) स्वचालित अनुवाद प्रणाली :- Google Translator, BHASHINI APP, Text -to speech और speech -to- text सिस्टम स्वचालित अनुववाद प्रणाली हैं । जिसमे बहुत सी भाषाओं का अनुवाद हो सकता हैं। यह उपकरण विभिन्न भाषाओं के पाठ को हिंदी में अनुवाद करने में सहायता करता है।

(3) पठन विश्लेषण प्रणाली :- AI विद्यार्थियों की पढ़ने की गति और समझ का विश्लेषण करता है और उनके स्तर के अनुसार अभ्यास प्रदान करता है। एआइ छात्र की पठन क्षमता को पहचानकर उसे सरल या कठिन पाठ सुझा सकता हैं ।

(4)डिसलेक्सिया का पता लगाना :-डाइसॉलव जैसे एआइ उपकरण पढ़ने के ढंग का और systemत्रुटियों का विश्लेषण करके अन्य सीखने की क्षमताओं का प्रारंभिक चरण में ही पता लगा सकते हैं ।

लाभ:-
शब्द भंडार में वृद्धि
पढ़ने की गति में सुधार
पाठ को बेहतर ढंग से समझने की क्षमता

4. लेखन कौशल में AI का प्रयोग :- लेखन कौशल भाषा शिक्षण का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है क्योंकि इसके माध्यम से विद्यार्थी अपने विचारों को लिखित रूप में व्यक्त करते हैं।AI आधारित उपकरण लेखन कौशल को विकसित करने में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं।

(1) व्याकरण जाँच (Grammar Checking) :- AI आधारित टूल लेखन में होने वाली व्याकरण संबंधी त्रुटियों को पहचान कर सुधार करते हैं। AI टूल्स लिखते समय ही मात्राओं की गलतियों और वाक्य संरचना को सुधारने का सुझाव देते हैं ।

(2) लेखन सहायता :- AI विद्यार्थियों को निबंध, पत्र, कहानी आदि लिखने में मार्गदर्शन देता है। Writing Assistant लिखते समय बेहतर शब्दों के चयन में मदद करता हैं ।

(3) स्वचालित मूल्यांकन प्रणाली :- AI शिक्षकों को छात्रों के उत्तरों का मूल्यांकन करने में सहायता प्रदान कर सकता है।

(4) CANVA (Magic Writing) :- यह APP लिखने के उद्देश्य से बहुत अच्छा विक्लप हैं । कविता ,पोस्टर ,डायरी, कहानी ,लिखना आदि के लिए प्री डिजाइन टेम्पलेट्स हैं जो लेखन को वव्यसिथित करते हैं ।

लाभ:-
लेखन में शुद्धता
विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति
रचनात्मक लेखन का विकास

हिंदी शिक्षण में AI के प्रमुख लाभ:-

1. व्यक्तिगत अधिगम (Personalized Learning)
2. त्वरित प्रतिपुष्टि (Instant Feedback)
3. समय और श्रम की बचत
4. छात्र-केंद्रित शिक्षण
5. डिजिटल संसाधनों का प्रभावी उपयोग
6 .दूरस्थ शिक्षा को बढ़ावा देना

हिंदी शिक्षण में AI की चुनौतियाँ:- यद्यपि AI के अनेक लाभ हैं, फिर भी इसके प्रयोग में कुछ चुनौतियाँ भी हैं-

1. डिजिटल विभाजन :- सभी विद्यार्थियों के पास इंटरनेट और डिजिटल उपकरण उपलब्ध नहीं हैं।भारत के आज भी सुदूर क्षेत्रों मे आज भी इंटरनेट और डिजिटल उपकरणों का अभाव हैं ।

2. तकनीकी ज्ञान का अभाव :- कई शिक्षक और विद्यार्थी AI तकनीकों का प्रभावी उपयोग नहीं कर पाते। बहुत से हिन्दी शिक्षकों को एआइ टूल्स का प्रभावी ढंग से उपयोग करने की तकनीकी का ज्ञान नहीं हैं जिससे वे इसका लाभ नहीं उठा पाते हैं ।

3. डेटा सुरक्षा :- AI प्लेटफॉर्म विद्यार्थियों का व्यक्तिगत डेटा संग्रह करते हैं, जिससे गोपनीयता का खतरा हो सकता है।

4. अत्यधिक तकनीकी निर्भरता :-विद्यार्थियों में स्वयं सोचने और लिखने की क्षमता कम होने की संभावना हो सकती है।

5. शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता :-AI का प्रभावी उपयोग करने के लिए शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

6. भाषाई शुद्धता और व्याकरण की समस्या (Linguistic Accuracy) :- मशीनी अनुवादः AI अक्सर अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करते समय 'शब्द-दर-शब्द' अनुवाद करता है, जिससे वाक्य की आत्मा या उसका मुहावरा (Idiomatic expression) खो जाता है। व्याकरणिक त्रुटियाँ, जटिल हिंदी वाक्यों, लिंग (Gender) निर्धारण और 'ने' विभक्ति के प्रयोग में AI अभी भी पूरी तरह सटीक नहीं है। यह छात्रों को गलत भाषा भी सिखा सकता है।

7.सांस्कृतिक और साहित्यिक संदर्भ का अभाव (Lack of Cultural Context) :-साहित्यिक संवेदना, हिंदी साहित्य की कविताओं और कहानियों में जो रस, छंद और अलंकार होते हैं, उन्हें AI केवल 'डेटा' की तरह देखता है। वह 'करुण रस' या 'वीर रस' की वैसी व्याख्या नहीं कर सकता जैसी एक मानव शिक्षक अपनी भावनाओं से करता है। हिंदी की कई बोलियाँ (अवधी, ब्रज, मैथिली आदि) स्थानीय बोली हैं। AI मुख्य रूप से मानक खड़ी बोली तक सीमित है, जिससे आंचलिक साहित्य के शिक्षण में बाधा आती है।

8. मौलिकता और सृजनात्मकता का संकट (Threat to Originality :-छात्र निबंध, कविता या गृहकार्य (Homework) के लिए पूरी तरह AI पर निर्भर हो सकते हैं। इससे उनकी अपनी सोचने और मौलिक लेखन (Original Writing) की शक्ति क्षीण हो सकती है। यदि AI ही विचार देगा, तो छात्र स्वयं शोध करने या पुस्तकालय जाने की रुचि खो सकते हैं।

शिक्षक की भूमिका:-

AI के आने से शिक्षक की भूमिका समाप्त नहीं होती बल्कि और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।शिक्षक की प्रमुख भूमिकाएँ-

1. मार्गदर्शक और प्रेरक (Mentor and Motivator) :- AI ज्ञान दे सकता है, लेकिन प्रेरणा नहीं। शिक्षक की भूमिका अब छात्रों को यह समझाने की होगी कि वे जो सीख रहे हैं, उसका जीवन में क्या महत्व है।छात्र जब किसी कठिन विषय (जैसे हिंदी व्याकरण की जटिलता) से निराश होते हैं, तो शिक्षक ही उन्हें सहानुभूति और प्रोत्साहन दे सकता है। AI द्वारा दी गई जानकारी का सही और गलत उपयोग सिखाना शिक्षक की ज़िम्मेदारी होगी।

2. सुविधा प्रदाता (Facilitator of Creativity):- लेखन और वाचन कौशलों में रचनात्मकता लाने के लिए शिक्षक एक 'फैसिलिटेटर' की भूमिका निभाएगा।

3. मूल्यांकनकर्ता (Evaluator) केवल अंकों के आधार पर ही नहीं , बल्कि व्ययव्हार और कौशल के आधार पर भी मूल्यकान करना हैं।

4. आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking):- शिक्षक छात्रों को ऐसे प्रश्न देगा जिनका उत्तर AI सीधे नहीं दे सकता, बल्कि जिसके लिए गहरी सोच और विश्लेषण की आवश्यकता हो।

5. सहयोगात्मक शिक्षणः - कक्षा में चर्चाएं आयोजित करना, वाद-विवाद (Debates) कराना और समूह गतिविधियों (Group Activities) का संचालन करना। AI केवल शिक्षण का सहायक साधन है, शिक्षक का स्थान नहीं ले सकता।

भविष्य की संभावनाएँ:- भविष्य में AI भाषा शिक्षण को और अधिक प्रभावी बना सकता है।AI आधारित वर्चुअल कक्षाएँ, जब AI वर्चुअल रियलिटी (VR) के साथ मिलेगा, तो शिक्षण का अनुभव पूरी तरह बदल जाएगा।'मुंशी प्रेमचंद' की कहानी पढ़ते समय छात्र AI के माध्यम से उस कालखंड के 'बनारस' या 'गाँव' का आभासी अनुभव कर सकेंगे। छात्र इतिहास के पात्रों या कवियों के 'AI अवतार' से सीधे संवाद कर सकेंगे।व्यक्तिगत अधिगम प्रणाली होगी ,भविष्य में हर छात्र का अपना एक 'AI निजी ट्यूटर' होगा।सीखने की अपनी गति होगी । AI छात्र की सीखने की क्षमता को पहचानकर उसके लिए अलग पाठ्यक्रम तैयार करेगा। यदि किसी को 'व्याकरण' कठिन लगता है, तो AI उसे कहानियों के माध्यम से सिखाएगा।

स्तरानुसार सामग्रीका प्रयोग हो सकेगा । एक ही कक्षा में अलग-अलग बौद्धिक स्तर वाले छात्रों को उनकी आवश्यकतानुसार सामग्री (Content) प्राप्त होगी।बहुभाषीय अनुवाद प्रणाली का उपयोग भविष्य में होगा । AI हिंदी को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाएगा। विदेशी छात्र या गैर-हिंदी भाषी राज्यों के छात्र अपनी मातृभाषा के माध्यम से हिंदी सीख सकेंगे। AI उनके उच्चारण को तुरंत सुधार कर उन्हें मानक हिंदी का अभ्यास कराएगा। बहुभाषी कक्षाएँ होंगी । शिक्षक एक ही समय में विभिन्न भाषाओं वाले छात्रों को AI की मदद से हिंदी पढ़ा सकेंगे।

स्मार्ट मूल्यांकन प्रणाली होगी , परीक्षाओं का स्वरूप पूरी तरह बदल जाएगा। केवल अंक ही नहीं बल्कि AI छात्र के केवल उत्तरों को नहीं, बल्कि उसकी सोचने की प्रक्रिया शब्दों के चयन और रचनात्मकता का सूक्ष्म विश्लेषण (Analytical Feedback) करेगा। मूल्यांकन के तुरंत बाद AI छात्र को उन क्षेत्रों की सूची देगा जहाँ सुधार की आवश्यकता है और साथ ही प्रासंगिक अभ्यास सामग्री भी प्रदान करेगा। AI के माध्यम से हिंदी भाषा का प्रसार वैश्विक स्तर पर भी संभव हो सकता है।

निष्कर्ष: -हिंदी भाषा शिक्षण के चारों कौशल- श्रवण, वाचन, वाचिक और लेखन-के विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। AI के प्रयोग से शिक्षण प्रक्रिया अधिक प्रभावी, रोचक और छात्र-केंद्रित बन सकती है।हालाँकि AI के प्रयोग के साथ-साथ उसकी चुनौतियों और सीमाओं को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। यदि AI का उपयोग संतुलित और जिम्मेदारीपूर्वक किया जाए तो यह हिंदी भाषा शिक्षण को नई दिशा प्रदान कर सकता है।इस प्रकार कहा जा सकता है कि भविष्य में मानव शिक्षक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समन्वय शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन ला सकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. SAHI & BODH (2026): भारत सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य AI पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने वाली पहल (Press Information Bureau - PIB, 17 Feb 2026).
2. Bhashini & SabhaSaar (2025): 22 भारतीय भाषाओं और जनजातीय भाषाओं के लिए रीयल-टाइम अनुवाद प्लेटफॉर्म (PIB, 25 Oct 2025 & 03 Dec 2025).
3. IP Saarthi Chatbot (2024): बौद्धिक संपदा (IP) पंजीकरण के लिए AI-आधारित डिजिटल सहायक (PIB, 18 Sept 2024).
4. CBSE Digital Initiatives
5. NATIONAL EDUCATION POLICY -2020
6. https://hindimedia.in/bharatiya-gyan-pranali-kiprasangikata
7. चतुर्वेदी शिखा, हिन्दी शिक्षण, आर,लाल बुक डिपो, मेरठ (2019)।